हिन्दुस्तान
20-03-2026

बिहार ने 2.25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला

बदलाव

- सतत और समावेशी विकास लक्ष्यों पर दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

बिहार के आतिथ्य की खूब सराहना की

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अपर महानिदेशक एससी मलिक, महानिदेशक एनके संतोषी, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय से आए पदाधिकारी जियाउल हक ने बिहार सरकार के उत्कृष्ट आयोजन की सराहना की। राज्य की समृद्ध संस्कृति, अतिथ्य परंपरा एवं खान-पान की प्रशंसा की।

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी ने कहा है कि बहुआयामी गरीबी में उल्लेखनीय कमी लाते हुए बिहार ने लगभग 2.25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यह राज्य की विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के कारण संभव हो सका। वे गुरुवार को विभाग के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य की विकास योजनाओं का सतत विकास लक्ष्यों के साथ समन्वय अत्यंत आवश्यक है। राज्य स्तर पर 334 संकेतकों का एक व्यापक ढांचा विकसित किया गया है, जिससे योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी एवं मूल्यांकन किया जा रहा है। डॉ. विजयलक्ष्मी ने कहा कि बिहार ने एसडीजी संकेतकों के आधार पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। 162 प्रमुख संकेतकों के विश्लेषण में लगभग 72 प्रतिशत संकेतकों में सुधार हुआ है, जबकि 15 एसडीजी में से 8 लक्ष्यों पर राज्य संतोषजनक प्रगति कर रहा है। बिहार की जीएसडीपी वृद्धि दर वर्ष 2024-25 में 13.1% थी। यह राष्ट्रीय औसत से अधिक है।

फुलवारी स्थित होटल में गुरुवार को आयोजित कार्यशाला में शामिल योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. एन. विजयलक्ष्मी व अन्य।